Dr. Sunil Kr. Suman
Assistent Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. college Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part- I (Gen./Subs)
Date:- 07-12-2020
Lecture NO.- 12,

Role of Motivation in Learning

सीखने की प्रक्रिया में अभिप्रेरणा का भूमिका (Role of Motivation in Learning):- पशुओं तथा मानव मे सीखना दोनों में ही अभिप्रेरणा का महत्व स्थान है। अभिप्रेरणा (motivation) मानव तथा पशुओ दोनो को ही सही प्रतिक्रिया करने के लिए आन्तरिक बल (internal force) प्रदान करती है। जिससे सीखने की गति तीव्र हो जाती है।

मनोवैज्ञानिक पशु सीखने मे मूलतः जैविक अभिप्रेरकों (Biological motives) जैसे:- भूख, प्यास, काम (sex) नींद आदि का महत्वपूर्ण मानते है, जैविक मानवों मे जैविक अभिप्रेरकों के साथ साथ अर्जित अभिप्रेरकों (aquire motives) का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। जैसे पैसा कमाना, प्रसंशा किए जाने की इच्छा, द्वेष, प्रतिस्पर्द्धा आदि वस्तुतः मानव सीखने मे अर्जित अभिप्रेरकों का अधिक महत्वपूर्ण स्थान है। पशुओं के सीखने में अभिप्रेरकों का प्रभाव जानने के लिए टॉलमैन तथा हान्जिक (1930) तथा मैकाकिनटोश (1974) आदि ने प्रयोग किए, जबकि मानव सीखना में अभिप्रेरकों का महत्व जानने के लिए हरलॉक (1925) ने प्रशंसा तथा निन्दा के प्रभाव का अध्ययन किया तथा इसी प्रकार का अध्ययन केनेडी तथा विलकाट (1964), एण्डरसन वाइट तथा हेण्डरसन (1966), डिमूरस (1981) आदि ने किए।

सीखने की विधियाँ (Methods of

Learning):- किसी भी विषय या पाठ को सीखने के लिए जिस तकनीक का सहारा लिया जाता है उसे सीखने की विधि कहते हैं। सीखने की अनेक विधियां है, परन्तु निम्नलिखित विधियां अत्यंत महत्वपूर्ण है।

(i) अविराम तथा विराम विधि (Massed and Spaced Method):- जब व्यक्ति किसी विषय या पाठ को बिना विश्राम किए हुए लिए लगातार अभ्यास करते हुए सीखता है तो, वह अविराम विधि कहलाता है जबकि यदि व्यक्ति विश्राम ले लेकर सीखता है, तो यह विराम विधि कहलाती है। होमलैण्ड (1951) तथा गिलफोर्ड (Gilford-1952) ने इन दोनों विधियों (Methods) का अध्ययन किया तथा बताया, जब पाठ अधिक लम्बा या तथा कठिन हो, विश्राम लेकर सीखना प्रभावी होता है, जिसमें सूझ तथा समझ की इतनी आवश्यकता नहीं होती जहाँ पाठ या विषय छोटा तथा रटने वाला होता है, वहाँ अविराम विधि (massed method) श्रेष्ठ है।

(ii) पूर्ण एवं अंश विधि:- (Whole and Part Method):- जब व्यक्ति किसी ~~तथा~~ पाठ तथा विषय को शुरू से लेकर अन्त तक एक साथ पढ़कर सीखता है, तो उसे पूर्ण विधि तथा जब वह अपनी ~~स्वयं~~ सुविधा के अनुसार विषय या पाठ को कई भागों में बांटकर सीखता है तो वह अंश विधि कहलाता है।

(iii) अभिप्राय सीखना तथा प्रासंगिक सीखना (Intentional and Incidental Learning):- जब व्यक्ति अपनी इच्छा से किसी पाठ या कार्य को सीखता है, तो उसे अभिप्राय सीखना कहते हैं, जबकि ~~यदि कोई~~ व्यक्ति किसी कार्य को बिना किसी उद्देश्य या इच्छा के सीख जाता है, तो उसे

प्रासंगिक सीखना कहते है। जैसे विद्यार्थी द्वारा किसी पाठ को परीक्षा में पास होने के लिए सीखना अभिप्राय सीखना है, जबकि टीवी पर मनोरंजन के लिए नृत्य का कार्यक्रम देखना तथा उसे सीखना प्रासंगिक सीखना है। अभिप्राय सीखना प्रासंगिक सीखने से अधिक महत्वपूर्ण है।

End.

Scanned with CamScanner